>

Title : Need to include Kol caste in the list of Scheduled Tribes.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद): माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद। पूरे उत्तर प्रदेश में कोल जाति के लोग कई जिलों में निवास करते हैं। जिस तरह दक्षिण-भारत में द्रविड़ लोग हैं, उसी तरह उत्तर-भारत के कई राज्यों में कोल जाति के लोग भी बसते हैं। खास तौर से उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इलाहाबाद में दो लाख, चित्रकूट में एक लाख, बांदा में ढाई लाख, मिर्जापुर में तीन लाख, सोनभद्र में दो लाख, चन्दौली में एक लाख, बनारस में पच्चास हजार, झांसी में डेढ़ लाख और ललितपुर में एक लाख कोल जाति की आबादी है।

अध्यक्ष महोदया, देश को आजाद हुए 62 साल बीत चुके हैं, मैंने लोक सभा में इस बात को कई बार उठाया। अगर केन्द्र सरकार चाहे तो एक मिनट में इन्हें आरक्षण मिल सकता है। उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव जी ने इन्हें कोल जाति का दर्जा दिया था। इन्हें नौकरियां भी मिलने लगी थीं, लेकिन जब से वहां बहुजन समाज पार्टी की सरकार आई है, उन्होंने इनका आरक्षण समाप्त कर दिया। ...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): आप उन पर आरोप क्यों लगा रहे हैं?...(व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह : सभापति महोदया, जो किया गया है, क्या उसे हम कहेंगे नहीं? जो उत्तर प्रदेश सरकार ने किया है, मैं उसी को कह रहा हूं। माननीय सदस्य को बीच में नहीं बोलना चाहिए।...(व्यवधान)

महोदया, मैं कहना चाहता हूं कि अभी कुछ दिन पहले कोल जाति के लोगों को, कहीं गौण, खरवाड़, चेरो, बैंगा, अरिया, अगरिया, पनिका, पठारी, गुईयां और सहरिया आदि जातियों के नाम से आरक्षण दिया गया था, लेकिन उन्हें सीटों में आज तक आरक्षण नहीं मिला है, जिसके कारण वे लोग न तो पंचायत में चुनाव लड़ सकते हैं, न विधान सभाओं में और न लोक सभा में। जैसे पहले श्री मुलायम सिंह यादव जी ने उत्तर प्रदेश में कोल जाति के लोगों को आरक्षण दिया था, उसी प्रकार केन्द्र सरकार कोल जाति को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दे। मैं आपके माध्यम से यह मांग भी करता हूं कि यदि कोल जाति को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए भारत सरकार को संविधान संशोधन विधेयक लाना पड़े, तो उसे भी लाने की मैं मांग करता हूं।

महोदया, कोल जाति के लोगों को केन्द्र सरकार द्वारा अभी तक अनुसूचित जनजाति का दर्जा नहीं दिए जाने के कारण उत्तर प्रदेश के कई जिलों में असंतोष पैदा हो रहा है और लोग शस्त्र उठा रहे हैं। वे इस असंतोष के कारण नक्सलाइट गतिविधियों में संलग्न हो रहे हैं और कुछ लोग तो नक्सलवादी बन भी गए हैं। यह खतरा बना हुआ है। अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि इस महत्वपूर्ण सवाल पर सरकार तत्काल अपना वक्तव्य दे।

महोदया, मैं एक बात कहकर अपना भाषण समाप्त करूंगा कि कई प्रदेशों में उन्हें अनुसूचित जनजातीय का दर्जा मिला हुआ है। जैसे बिहार, झारखंड, मेघालय और महाराष्ट्र आदि तमाम प्रदेशों में कोल जाति के लोगों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया गया है। उसी प्रकार उत्तर प्रदेश में भी उन्हें तत्काल अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए।